

हरि.बच्चन- कोशिश करनेवालों की हार नहीं होती  
सोहनलाल द्विवेदी

लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती  
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती

नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है  
चढ़ती दीवारों पर, सौ बार फिसलती है  
मन का विश्वास रगों में साहस भरता है  
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है  
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती  
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती

Slide 1

---

j1

jasabhai, 25/11/2016

हरि.बच्चन- कोशिश करनेवालों की हार नहीं होती  
सोहनलाल द्विवेदी

डुबकियां सिंधु में गोताखोर लगाता है  
जा जा कर खाली हाथ लौटकर आता है  
मिलते नहीं सहज ही मोती गहरे पानी में  
बढ़ता दुगना उत्साह इसी हैरानी में

मूढ़ी उसकी खाली हर बार नहीं होती  
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती